“गर्भधारण से पहले आनुवंशिक परीक्षण क्या है?”

आनुवंशिक परीक्षण में माता–पिता दोनों का रक्त परीक्षण किया जाता है। जिसमें असामान्य जीन का पता लगाया जाता है। जो माता–पिता से शिशु में होने का खतरा होता है।

किस स्थिति में कराएं ?

- यदि आपके दो या उससे अधिक गर्भपात पहले हो चुके हैं।
- यदि आप, आपके साथी या किसी करीबी रिश्तेदार को किसी प्रकार का आनुवंशिक विकार हैं।
- यदि आपका पहला शिशु भी जन्मजात दोषों (आनुवंशिक कारणों से) से पीड़ित है।
- यदि आपने 35 वर्ष या उससे अधिक आयु में गर्भधारण किया हो, तो आपको आनुवंशिक परीक्षण की सलाह दी जा सकती है।
- यदि आपको मृत प्रसव हुआ है जिसमें शिशु में आनुवंशिक बीमारी के सुस्पष्ट शारीरिक लक्षण थे।
- यदि प्रसव पूर्व जांच परिणाम असामान्य थे।

कब कराएं ?

गर्भधारण की योजना बनाने से पहले।

अगर गर्भधारण अनियोजित है तो फिर जितना जल्द हो सके।

सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार

Toll Free No. 1800-11-2526, Medical Helpline No. 1800-11-3839

esic.nic.in @esichq @esichq @esichq @esichq @esichq